

1. परिचय –

प्रदूषण और उद्योगों से उत्पन्न कचरे का प्रबंधन हमेशा से देश के सामने एक चुनौतिपूर्ण कार्य रहा है । उद्योगों के तेजी से विकास के कारण संबंधित खतरनाक कचरे की बड़ी मात्रा में परिकल्पना की गई है, खासकर छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों जैसे बलौदाबाजार, रायपुर में । वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में कोई मौजूदा टीएसडीएफ नहीं है इसलिये आवश्यकता को पूरा करने के लिये छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड ने रामकी एनवायरो इंजीनियर्स लिमिटेड की स्थापना के लिये भूमि आबंटित को है । जो एक सामान्य पर खतरनाक अपशिष्ट उपचार करने का प्रस्ताव है । खतरनाक कचरे से महत्वपूर्ण उपयोगी घटकों के पुर्नचकण के लिये इकाईयों के साथ साथ भंडारण और निपटान की सुविधा है । ईआईए अधिसूचना के अनुसार एस.ओ. 1533 दिनांक 14 सितंबर 2007 और बाद में प्रस्तावित परियोजना/गतिविधि डी और 7 (दो) आम खतरनाक अपशिष्ट उपचार, भंडारण और निपटान सुविधा श्रेणी ए प्रस्तावित और संशोधित है । इसके लिये ईएसी, एमआईएफ और सीसी नई दिल्ली से पर्यावरण को मंजूरी की आवश्यकता है । यह स्थल खसरा नंबर 1004 से 1022, 1027 और 1028 जो केसदा, सिमगा बलौदाबाजार छत्तीसगढ़ में है । परियोजना खतरनाक अपशिष्ट टीएसडीएफ बलौदाबाजार जिले में लगभग 50 एकड़ के क्षेत्र में स्थापित किया जायेगा । परियोजना मे एक सामान्य खतरनाक अपशिष्ट उपचार और भंडारण निपटान की सुविधा शामिल है जिसमें बायोमेडिकल अपशिष्ट उपचार वैकल्पिक ईंधन और कच्चे माल की सुविधा शामिल है । एल्युमिनियम और आर्थर रिसाईकिलिंग सुविधायें जिसका विवरण तालिका 1 में प्रस्तुत किया गया है । वर्तमान प्रस्ताव के विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति -2 द्वारा 24 एवं 25/2020 के दौरान समयावधि में आयोजित की गई है । 55वीं बैठक में माना गया है कि 14 सितम्बर 2006 के ईआईए अधिसूचना और उसके बाद संशोधनों के प्रावधानों के अनुसार एक विस्तृत ईआईए अध्ययन के संदर्भ में ईएसी और टीओआर के पत्र क्रमांक एफ 1054/2020/ए-3/दिनांक 3 नवंबर 2020 में दिया गया है ।

2- परियोजना क्षमता का विवरण :-

सामान्य खतरनाक अपशिष्ट उपचार भंडारण और निपटान की सुविधा में निम्नलिखित प्रमुख अपशिष्ट निपटान/पुर्नचकण की पुर्नप्राप्ति इकाई है जो सभी प्रकार के खतरनाक अपशिष्टों के उपचार की सुविधा जैसे कि प्रकृति में खतरनाक अपशिष्टों कचरे से दूषित है को टीएसडीएफ के माध्यम से निस्तारण किया जा सकता है । नियमों के अनुसार, एमओईएफ और सीसी

द्वारा जारी किये गये दिशा निर्देश जैसे बीएमडब्ल्यू ई कचरा तेल का इस्तेमाल विलायक कागज और प्लास्टिक तथा वैकल्पिक ईंधन और कच्चे माल की वसूली करता है । प्रस्तावित परियोजना की क्षमता का विवरण नीचे दिया गया है ।

तालिका-1 प्रस्तावित परियोजना विवरण और क्षमता

सं.क.	अपशिष्ट/यूनिट क्षमता निकालने के लिये	मात्रा
1	सुरक्षित भराव /प्रत्यक्ष	4,50,000 MTA
2	उपचार के बाद भराव	
3	खतरनाक अपशिष्ट संचयन (खतरनाक कचरे के लिये सामान्य बायोमैडिकल और अन्य लाईलाज अपशिष्ट) को निकालने के लिये माड्यूलर	1.5 टन प्रति घंटा
4	जैव चिकित्सा कचड़ा	15 TPD
5	ई अपशिष्ट पुर्नचकण	100 TPD
6	वैकल्पिक ईंधर और कच्चे माल की सुविधा	100 TPD
7	प्लास्टिक पुर्नचकण (प्रकृति/दूषित तत्वों में खतरनाम)	20 TPD
8	पेपर पुर्नचकण (प्रकृति/दूषित तत्वों में खतरनाक)	50 TPD
9	साल्वेंट निकालना (प्रकृति/दूषित तत्वों में खतरनाम)	18 KLD
10	एल्युमिनियम	100 TPD
11	प्रयुक्त/स्पट आयल पुर्नचकण	15 KLD
12	अक्षय उर्जा	2 MW
13	एसपीएल कार्बन भाग प्रकृति में खतरनाम और दूषित तत्व	100 TPD
14	एसपीएल अंतिम अंश प्रकृति/दूषित तत्वों में खतरनाक	100 TPD
15	ड्रम शुद्धिकरण पुर्नचकण इकाई	200 ड्रम प्रतिदिन

किसी भी कचरे को वैज्ञानिक निपटान किये जाने से पहले पुर्नचकण , पुनः उपयोग, परिशोधन, कीटाणुशोधन, पूर्व तैयारी और उपयोग की सभी प्रस्तावित गतिविधियों, खतरनाक कचरे (प्रबंधन और बाउंड्री) नियम 2016 और इसके संशोधनों, दिशानिर्देशों का पालन करेगी । विभिन्न प्रक्रिया निकायों को मेसर्स रामकी एनवायररो इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा सीपित और संचालित किया जायेगा । सुविधा औद्योगिक खतरनाक कचरे के प्रबंधन के लिये वन स्टाप समाधान प्रदान करेगी । सुविधा को छत्तीसगढ में उत्पन्न होने वाले सभी प्रकार के खतरनाक कचरे और जैव चिकित्सा कचरे के लिये TSDF और निपटान कार्यों क साथ साथ पुर्नचकण /वसूली

/वैकल्पिक ईंधन और कच्चे माल की सुविधा के लिये प्रस्तावित किया जा रहा है ।

3- आपरेशन का आकार और इससे जुड़ी गतिविधियों –

परियोजना का आकार और इससे जुड़ी गतिविधियां परियोजना लगभग 50 एकड़ 20.42 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थापित करने का प्रस्ताव है । परियोजना में खतरनाक और बायोमेडिकल कचरे के साथ साथ पेपर, पुर्नचकण, प्लास्टिक, ई वेस्ट, तेल खर्च किये गये तेल पुर्नचकण लीड पुर्नचकण, ड्रम पुर्नचकण, डीकेसेशन प्लांट, साल्वेंट रिकवरी, एल्युमिनियम शामिल है । पुर्नसंसाधन स्पाट लाइनर, आग रोक भाग, प्रसंसकरण और निपटान कार्बन भाग को पुर्नसंसाधन और नवीनीकरण उर्जा सुविधा रहेगी।

4- भूमि क्षेत्र का निपटान

सभी प्रकार के खतरनाक कचरे के उपचार के लिये प्रस्तावित सुविधाओं / खतरनाक अपशिष्टों से दूषित/खतरनाक होने के कारण इसे बीएमडब्लू ई कचरे से उपयोग किये गये तेल के पुर्नचकण, विलायक, कागज प्लास्टि से युक्त खतरनाक अपशिष्टों के माध्यम से निस्तारण और वैकल्पिक ईंधन और कच्चे माल की रिकवरी करने का विकल्प होता है । यह परियोजना 50 एकड़ के क्षेत्र में प्रस्तावित है, जिसमें प्याप्त ग्रीन बेल्ट है और भूमिक्षेत्र के विभाजन का ब्यौरा निम्न है ।

तालिका 2 भूमि क्षेत्र का विभाजन

क.	एकड़ में प्रस्तावित सुविधा भूमि क्षेत्र नहीं है	
1	लैंडफिल	28.00
2	ग्रीनबेल्ट	16.4
3	भस्मक	0.29
4	गंदापानी संग्रह तालाब	0.61
5	अन्य सुविधा	4.70
	कुल क्षेत्रफल	50.00

5- पानी की आवश्यकता –

प्रस्तावित परियोजना के लिये पानी का स्रोत बोरवल से प्रस्तावित है जिसे सीजीडब्लूए और जिला कलेक्टर बलौदाबाजार की पूर्व अनुमति से खोदा गया है । पानी की आवश्यकता का विवरण तालिका 3 में दिया गया है ।

तालिका 3 पानी की आवश्यकता

कार्यवाही सुविधा	पानीकी आवश्यकता			खराब पानी	विवरण
सुरक्षित भूमि भरण	—	2	2	1.4	गंदा पानी के लिये भेजा गया
राख प्लांट गीला और निकला रद्दी	20	16	36	25.2	

					उपचार और पुर्नउपयोग
बायलर में विलायक का इस्तेमाल किया और तेल वसूली किया	22	—	22	13.2	ग्रीनबेल्ट में उपचार और पुर्नउपयोग के लिये अपशिष्ट उपचार योजना को भेजा गया
प्लास्टिक कागज पुर्नचक्रण	4	—	4	2.4	
गंदापानी	—	—	0	0	
ट्रक का पहिया धोना	—	2	2	1.4	
उप कुल	46	20	66	43.6	
घरेलू	4	—	4	3.6	
हरापट्टा	—	30	30	—	सेप्टिक टैंक या सोख गड्ढे के लिये भेजा
कुल योग	50	50	100	47.2	
शुद्ध जल की आवश्यकता छ.ग. सीजीडब्लूए से					

6-बिजली और ईंधन की आवश्यकता -

बिजली की विफलता के दौरान आपातकालीन उपयोग के लिये डीजी सेट चलाने के लिये आवश्यक सुविधा और ईंधन के संचालन के लिये आवश्यक शक्ति का विवरण तालिका 4 में दिया गया है

तालिका 4 बिजली और ईंधन की आवश्यकता

विवरण	केवीए	टीप
राज्य बिजली बोर्ड की जरूरत	375	राज्य बिजली बोर्ड स्रोत से
डीजी सेट	1X375	इमरजेंसी पावर से उपयोग
एचजीडी ईंधन के लिये डीजी से	80 ली / प्रतिघंटा	स्थानीय रिटेलर से कय

7- आवश्यक जनशक्ति

प्रस्तावित परियोजना के लिये आवश्यक कुशल और अकुशल जनशक्ति का विवरण नीचे तालिका 5 में दिया गया है ।

तालिका 5 जनशक्ति विवरण

क्र.	विवरण	सीधे	टीप
1	प्रशासनिक	5	प्रशासनिक निर्माण अवधि के दौरान 50 व्यक्ति
2	कुशल जनशक्ति	15	
3	अकुशल जनशक्ति	30	
	कुल	50	आपरेशन के दौरान अप्रत्यक्ष रोजगार 40 व्यक्ति

8- बेसलाईन पर्यावरण की स्थिति -

बेसलाईन निगरानी अध्ययन दिसम्बर 2020 के दौरान किये गये है । अध्ययन अवधि के दौरान प्रमुख हवा की दिशा उत्तर पूर्व से दक्षिण पश्चिम थी ।

हवा की गुणवत्ता

परिवेशी वायु गुणवत्ता की निगरानी 10 स्थलों पर की गई थी । प्रदूषकों के न्यूनतम और अधिकतम 98वें प्रतिशत मानकों को तालिका 6 में दिखाया गया है ।

तालिका-6 परिवेशी वायु गुणवत्ता के परिणाम

विवरण	PM ₁₀	PM _{2.5}	SO ₂	NO ₂	O ₃	CO	NH ₃
न्यूनतम 98वें प्रतिशत में	43.8	25.8	10.9	<21.1	20	380	15.6
अधिकतम 98वें प्रतिशतमें	64.1	38.4	17.4	28.1	25.8	680	26.8
नाक मानक-2009	100	60	80	80	100 8घंटे	2000 8घंटे	400

जमीन और सतह के पानी की गुणवत्ता

अध्ययन क्षेत्र में पानी के नमूने कमशः 10 जमीन और 5 अच्छे स्रोतों से एकत्र किये गये थे । नमूनों का विश्लेषण विभिन्न भातिक और रासायनिक विशेषताओं के लिये किया गया । जिसके परिणाम कमशः तालिका 7 में दिये गये है ।

तालिका 7 भूजल विश्लेषण के परिणाम

पैरामीटर	इकाईयां	न्यूनतम	अधिकतम	पेयजल	
				स्वीकार	अनुमति

				योग्य	योग्य
pH		6.8	7.9	6.5-8.5	आरामनही
TDS	Mg/l	275	905	508	2000
क्लोराईड	mg/l	142	308	250	1000
कठोरता	mg/l	197	648	200	600
फ्लोराईड	mg/l	<0.1	<0.1	1.0	1.5

सतह जल विश्लेषण की तालिका-8

माप	इकाई	न्यूनतम	अधिकतम	CPCB पानी की गुणवत्ता क्षेत्रमें उपलब्ध on 11 th September, 2017				
				A	B	C	D	E
pH	-	7.2	8.2	6.5-8.5		6-9	6.5-8.5	6-8.5
EC	µS/cm	119	150	-	-	-	-	2250
DO	mg/l	5.2	5.8	6	5	4	4	-
BOD	mg/l	2	6	2	3	3	-	-
Total coliform	MPN/100ml	63	122	50	500	5000	-	-

शोर की गुणवत्ता –

निरंतर शोर माप उपकरण का उपयोग करते हुये अध्ययन क्षेत्र के भीतर 10 स्तर पर बेसलाईन शोर के स्तर की निगरानी की गई है । परिणाम तालिका 9 में प्रस्तुत किये गये ह । अध्ययन अवधि के दौरान दिन में समकक्ष 49.9 से 55.8 डीबी-ए के बीच थे । जबकि रात में समकक्ष 39.9 से 45.5 डीबी ए की सीमा में थे । यह देखा गया है कि दिन और रात के समतुल्य आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्र के लिये 123 ई- 14 फरवरी 2000 के संबंध में मानकों के भीतर थे । परिणामों के अनुसार यह देखा जा सकता है कि दिन समकक्ष रात और रात समकक्ष स्थल क समतुल्य दिन के अलावा निर्दिष्ट मानकों के भीतर 53.6 थे, जो आवासीय क्षेत्र के निकट है ।

तालिका 9 शोर का स्तर

मापदंडों	न्यूनतम	अधिकतम	मानक आवासीय	मानक वाणिज्यिक
दिवस समतुल्य दिन	49.9	55.8	55	65
रात समतुल्य रात	39.9	45.5	45	55

मिट्टी की गुणवत्ता –

मिट्टी और कृषि उत्पादकता पर अप्रभावित गतिविधि के प्रभाव को निर्धारित करने के लिये मिट्टी के नमूने 10 स्थानों से एकत्र किये गये थे । महत्वपूर्ण मापदंडों के परिणामों की तालिका 10 में संक्षेप में दिया गया है ।

तालिका-10 मिट्टी की गुणवत्ता

मापक	न्यूनतम	अधिकतम	मानक मृदा वर्गीकरण / भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली
pH	6.2	6.9	अम्लीय 6.0 सामान्य से खारा 6.0-8.5, क्षारीय 8.6 से 9.0 बनने के लिये 9 से उपर क्षारीय
EC ($\mu\text{S}/\text{cm}$)	111	200	सामान्य 1000, अंकुरण के लिये महत्वपूर्ण 1000-2000 उगाने के लिये महत्वपूर्ण 4000 अधिकांश फसलों के लिये हानिकारक-4000
Organic carbon (%)	0.16	0.64	निम्न-0.5 मध्यम 0.5-0.75 उच्च 0.75
Nitrogen (kg/Ha)	123	262	280 से नीचे, मध्यम 280-560, उच्च 560 से उपर
Phosphorous (kg/Ha)	8	16	10 से नीचे मध्यम 10-25 उच्च 25 से उपर
Potassium (kg/Ha)	244	354	नीचे 110 से नीचे मध्यम 110-280 उच्च 280 से उपर

9- अप्रत्याशित प्रभाव –

निर्माण चरण के कार्यों में स्थल निकासी, साईट तैयार करना भवन निर्माण कार्य, अधोसंरचना निर्माण और गतिविधियां शामिल है । निर्माण गतिविधियों के कारण होने वाले प्रभाव कम अवधि और निर्माण चरण तक सीमित है । इसका प्रभाव मुख्य रूप से वायु, जल और गुणवत्ता, भू उपयोग और सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों पर पड़ेगा । वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत इस प्रकार है ।

1. भराव संचालन में क्षेत्र स्रोत उत्सर्जन
2. कचरा भट्टी से बिन्दु स्रोत उत्सर्जन डीजी सट
3. इस्तेमाल किया तेल और विलायक वसूली सुविधा के लिये ब्रायलर क्षेत्र स्रोत उत्सर्जन और लाईन स्रोत उत्सर्जन संयंत्र परिसर के भीतर होगा जबकि प्रस्तावित परियोजना से अपेक्षित बिन्दु स्रोत उत्सर्जन तालिका 11 में अनुमानित है ।

तालिका – 11 पूर्व परियोजना परिदृश्य/इकाईयों में

विवरण	तत्व कण (PM ₁₀)	तत्वकण (PM _{2.5})	सल्फर डाइआक्साइड (SO ₂)	आक्साइड का नाइट्रोजन(NO _x)
आधार लाईन परिदृश्य अधिकतम	64.1	38.4	17.4	28.1
अनुमानित जीएलसी अधिकतम	2.2	2.2	3.5	5.1
कुल मिलाकर परिदृश्य / सबसे खराब मामला	66.3	40.6	20.9	33.2
नाक मानक 2009 / 24 घंटे	100	60	80	80

10- पर्यावरणीय निगरानी कार्यक्रम –

पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम का मुख्य सार यह है कि पर्यावरण में नुकसान शुरू करने और प्रस्तावित गतिविधि के कारण प्रभावित हो रहे विभिन्न प्रकार के पर्यावरणीय मानकों को नियंत्रित करने के लिये शमन उपायों को अपनाने के बीच ज्यादा समय नहीं होनी चाहिये । पर्यावरण प्रबंधन कार्यक्रम के क्रियान्वयन की दक्षता का आंकलन करने के लिये पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम तैयार किया गया है और उसी के विवरण तालिका 12 में दिये गये है ।

तालिका-12. परिचालन चरण के दौरान पर्यावरण निगरानी

क.	संभावित प्रभाव	पालन की जाने वाली कार्यवाही	निगरानी के लिये पैरामीटर	निगरानी की आवृत्ति
1	वायु उत्सर्जन	कचरा भट्ठी से ढेर का उत्सर्जन	परिचालन समय, तपमान, दबाव, अवशेषों का टीओसी, अवशेषों का एलओआई, स्टेक, टेम्प, सीओ, पीएम, एचसीएल, एसओ-2 एनओएक्स, टीओसी पारा भारी धातु	एक महिने में एक बार/एस पीसीबी द्वारा दी गठ सीटीओ शर्तों के अनुसार

			डाइआक्सीजन और फारेन जैसा कि सीएफई सीटीई में निर्धारित है	
		भराव क्षेत्रों से गैस की गुणवत्ता	VOC, H ₂ S	
		डीजीसेट से ढेर उत्सर्जन	शर्तों के अनुसार	
		परियोजना परिसर के भीतर एएक्यू उपयोग किये गये वाहनों के पास पीयूसी प्रमाण पत्र होगा	सीएफई शर्तों एनएएक्यू मानकों के अनुसार वाहन का रखरखाव किया जायेगा	
		मौसम संबंधी आंकड़े	हवा की गति दिशा अस्थायी सापेक्ष आर्द्रता और वर्षा	
2	शोर	बायलर के संचालन से उत्पन्न कूलिंग टावर आदि की निगरानी की जानी चाहिये	निरंतर शोर स्तर की रिकार्डिंग	एक महिने में एक बार एसपीसीबी द्वारा दी गई सीटीओ शर्तों के अनुसार
3	अपशिष्ट जल निर्वहन लीचेट	सीपीसीबी एसपीसीबी के अनुसार अपशिष्ट जल निर्वहन मानकों का अनुपालन	pH, TSS, TDS, BOD, COD और भारी धातु	एसपीसीबी द्वारा दी गई नियमित अंतराल पर सीटीओ शर्तों के अनुसार दैनिक
4	ठोस कचरा हज बेकार	एचडब्लूएम नियमों का अनुपालन	एचडब्लूएम नियमों का अनुपालन	एक महिने में एक बार एसपीसीबी द्वारा दी गई सीटीओ शर्तों के अनुसार
5	भूजल की	सीपीसीबी	भूजल गुणवत्ता की	एसपीसीबी

	गुणवत्ता	मानदंडों के अनुसार परियोजना स्थल पर और उसके आसपास	निगरानी करना	द्वारा दिये गये सीटीओ शर्तों के अनुसार एक बार
6	वनस्वति और जीव	वनस्पति ग्रीन कवर और ग्रीन बेल्ट विकास	देशी पौधों की प्रजातियों का अस्तित्व और रोपित प्रजातियों का रखरखाव	एक बार सीजन में एसपीसीबी द्वारा दी गई शर्तों के अनुसार
7	मिट्टी की गुणवत्ता	परियोजना स्थल और उसके आसपास मिट्टी की गुणवत्ता की जांच और रखरखाव	भौतिक और रासायनिक पैरामीटर जैसे एनपीके भारी धातु आदि	एसपीसीबी द्वारा दिये गये सीटीओ शर्तों के अनुसार एक बार
8	स्वास्थ्य	कर्मचारियों और प्रवासी श्रमिकों के लिये स्वास्थ्य जांच	व्यवसायिक स्वास्थ्य के सभी प्रासंगिक पैरामीटर	6 माह में एक बार एसपीसीबी द्वारा जारी सीटीओ के अनुसार फ़ैक्ट्रीज नियम के अनुसार

11. जोखिम विश्लेषण :-

जोखिमों को पहचानने और प्रमुख खतरे को निर्धारित करने और प्रस्तावित परियोजना के विभिन्न कार्यों से जुड़े जोखिम के लिये किया गया था जो सार्वजनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले आपतकालीन आपदा के लिये हो सकता है रसायनों और उनके भंडारण की मात्रा का व्यवस्थित विश्लेषण गोड रूल्स 1989 द्वारा अधिसूचित और 2000 में संशोधित मात्र निर्धारित करने के लिये किया गया है। प्रस्तावित टीएसडोएफ में एचसडीएफ में एचएसडी और अन्य सॉल्वेंट्स निम्न श्रेणी और मध्यम विषाक्तता के अंतर्गत आते हैं गर्मी में

विविधता और निकालने की अवधि के कारण मनुष्यों पर प्रभाव एक निजी मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। क्षति की गणना के लिए टैंक विफलता क्षेत्र से दूरी ALOHA सॉफ्टवेयर किया जाता है यहाँ माना जाता है कि HSD.12.5.KW M2 की उष्मा विकिरण के लिये प्रभाव दूरी दुर्घटना स्थल से 10m से कम पाई जाती है 4.5 Kw m2 के उष्मा विकिरण के लिए प्रभाव दूरी 10 से 14 मीटर की सीमा में है गर्मी विकिरण की तीव्रता 1.6 kw m2 के लिए क्षति दूरी 16 से 20 मीटर की सीमा में है। हालांकि प्रस्तावित परियोजना के कारण जोखिम को कम करने के लिये सभी आवश्यक उपाय डिजाइन चरण और संचालन अवधि के दौरान भी होंगे। परियोजना स्थल पर उत्पादों प्रक्रिया की खतरनाक प्रकृति को देखते हुये प्रस्तावित परियोजना तैयार होगी। दोनों साईट पर और ऑफ साईट आपातकालिन रहेगी। तैयारी योजना यह योजना विभिन्न संभावित परिदृश्यों जैसे आग विस्फोट प्राकृतिक आपदाओं आदि पर आधारित है इसके अलावा इसे अच्छी बुनियादी सुविधा और आपातकालीन स्थितियों को संभालने के लिये एक समर्पित टीम भी मिली है।

12. परियोजना लाभ –

प्रस्तावित परियोजनाओं के मुख्य लाभ हैं –

- मौजूदा उद्योगों से उत्पन्न कचरे को बेहतर और पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित तरीके से उपयोग में लिया जायेगा।
- राज्य में उत्पन्न खतरनाक जैव चिकित्सा कचरे में प्रस्तावित सीएनजी उपचार सुविधा के माध्यम से एक वैज्ञानिक और स्वच्छ प्रबंधन और निपटान प्रणाली होगी।
- यह विभिन्न प्रकार के कचरे जैसे खतरनाक अपशिष्ट, जैव चिकित्सा अपशिष्ट और घरलू खतरनाक अपशिष्ट आदि के प्रबंधन के लिये एक बंद समाधान प्रदान करता है।
- हरे और स्वच्छ परिवेश के अतिरिक्त लाभ के साथ पर्यावरण पर प्रदूषण भार को कम करता है।
- सामग्री की वसूली के लिये संभावना, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है।
- कचरे का प्रबंधन एक सामान्य सुविधा में अपेक्षाकृत आसान और आर्थिक रूप में व्यवहार्य है।
- विशेषज्ञता की अनुपस्थिति या उपलब्धता में सबल व्यवहार्य विकल्प है।

- उद्योगों के परिसर में खतरनाक कचरे के बंद भंडारण के कारण पर्यावरणीय दायित्व में कमी ।
- प्राकृतिक संसाधन संदूषण की रोकथाम
- आसपास के निवासियों के लिये रोजगार के लिये अवसर की कल्पना की जाती है जिससे उनकी जीवन शैली और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है
- नई बुनियादी सुविधाओं और परियोजना स्थल के आसपास और आसपास की सुविधाओं का विकास अपेक्षित है ।

13- पर्यावरण प्रबंधन योजना

प्रस्तावित परियोजना स्थल के क्षेत्र में सतत विकास सुनिश्चित करने के लिये पर्यावरण प्रबंधन योजना की आवश्यकता है । ईएमपी आईएस का उद्देश्य परियोजना से संभावित पर्यावरणीय प्रभावों को कम करना और थकाउ प्रभाव को कम करना है । ईएमपी का विवरण तालिका 13 में दिया गया है ।

तालिका-13 आपरेशन चरण के दौरान शमन उपाय

हवा गुणवत्ता प्रबंधन की	कचरा भट्टी और भट्टी को एपीसीडी के साथ एक उंचाई पर बैठाकर दिशानिर्देश स्प्रे ड्रायवर मल्टो साइक्लोन बैगहाउस वेट रद्दी आदि के साथ प्रदान किया जायेगा
	डीजी सेट एक उंचाई के साथ प्रदान किया जायेगा जिसकी उंचाई एमओईएफ और सीसी दिशानिर्देशों या परियोजना क्षेत्र की सबसे उंची संरचना से 1 मीटर उपर सल्फर डाइआक्साईड और नाइट्रोजन के आक्साइड के उचित फैलाव के लिये होगी
	धूल उत्सर्जन को कम करने के लिये आंतरिक सड्को को समतल /संरक्षित किया जायेगा
	परियोजना के भीतर गति प्रतिबंध का पालन किया जायेगा और प्रवेश और निकास बिन्दु पर स्पीड ब्रकर प्रदान किये जायेंगे
	सुरक्षित भराव में गैस प्रबंधन प्रणाली प्रदान की जायेगी
	पर्याप्त ग्रीनबेल्ट और बडा क्षेत्र प्रदान किये जायेंगे
गंध नियंत्रण	गंध के द्वारा गंधक के प्रदूषण को नियंत्रित करता है या नियमित अंतराल पर गंध सृजन क्षेत्रों के आसपास इकोसोस जैविक और बायोडिग्रेडेबल रासायनिक का छिडकाव करके बेअसर कर देता है
	पृथ्वी मिट्टी या एक समान सामग्री की परत के साथ दैनिक संचालन के तहत भराव क्षेत्र को पूरा करना
गैस प्रबंधन	भराव में गैस उत्पादन को कम करने के लिये जैविक आधारित कचरे की भस्मीकरण में बदल दिया जायेगा

		गैस का प्रबंधन करने के लिये फ्लेयरिंग व्यवस्था केस साथ एक प्रतीक्षा प्रणाली प्रदान किया जायेगा
जल गुणवत्ता शमन	की का	उपाय लैडफिल से उत्पन्न लीकेज को चुने गये संग्रह तालाबों में एकत्र किया जायेगा
माप		एकत्र किये गये गंदा पानी का आंशिक रूप से उपचार किया जायेगा और अंदरूनी स्प्रेयर को स्प्रे करने के लिये भेजा जायेगा और एक हिस्सा धूल के खतरनाक कचरे के स्थिरीकरण आदि के लिये लैडफिल पर वापस स्प्रे किया जायेगा
		घरेलू अपशिष्ट जल को एकत्र किया जायेगा और सेप्टिक, सोख गड्ढों या पोर्टेबल एसटीप में उपचारित किया जायेगा और ग्रीनबेल्ट के लिये पुनः उपयोग किया जायेगा
		टीएसडीएफ के संचालन फर्श की धुलाई कार्यशाला आदि से अपशिष्ट जल एकत्र किया जायेगा कीटाणुरहित अपशिष्ट जल के मामले में तेल के लिये ईलाज किया जाता है और योजना टैंक में योजित और निपटारा करके तेल और निलंबित ठोस पदार्थों के लिये ईलाज किया जाता है और स्पष्ट पानी की इंकिनरेटर स्प्रे सुखाने की मशीन के लिये पुनःचकण किया जायेगा । धोने, भराव पर छिडकाव और धूल के लिये आदि ।
शोर उपाय	शमन	सभी उच्च शोर उत्पन्न करने वाले उपकरणों के लिये सीपीसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार उचित रूप से प्रदान किया जायेगा । शोर नियंत्रण के संबंध में निर्माताओं द्वारा निर्दिष्ट सभी डिजाईन स्थापना सवधानिक कडाई से पालन किया जाता है । उपयुक्त संलग्नक प्रदान करके प्रमुख शोर उत्पन्न करने वाले स्ट्रॉतों को पर्याप्त रूप से अछूत किया जायेगा । विभिन्न उपकरणों के नियमित रखरखाव के अलावा ईयर प्लग शोर पैदा करने वाली इकाईयों के करीब काम करने वाले कर्मियों को प्रदान किये जाते हैं कवर, विभाजन जैसे सभी उद्घाटन ठीक से डिजाईन किये गये हैं ।
ठोस शमन	अपशिष्ट	उपाय भस्मीकरण संयंत्र से उत्पन्न राख को सुरक्षित भराव में दैनिक कवर के रूप में उपयोग किया जायेगा
		गंदा पानी के तालाब में उत्पन्न कीचड़ को प्रस्तावित सुविधा के सुरक्षित भूमि भरण से निपटारा किया जायेगा
व्यवसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा	और	समय समय पर श्रमिकों और कर्मचारियों की सुविधा के लिये होने वाली स्वास्थ्य जांच संचारी रोग का शीघ्र पता लगाने और नियंत्रण के लिये किया जायेगा
		व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण संचालन से निपटने वाले सभी

	श्रमिकां को प्रदान किये जायेंगे और उनकी कार्य सुरक्षा सुनिश्चित की जायेगी
	आवश्यक अग्नि खतरों के लिये आवश्यक उपाय आग का पता लगाने, अग्निशमन सुविधाओं और पर्याप्त पानी के भंडारण आदि के साथ
	श्रमिकों को ओएचएस ईएचएस आदि के संबंध में नियमित प्रशिक्षण प्रदान करें

14- परियोजना का लागत अनुमान -

संयंत्र सुविधाआ में से प्रत्येक के लिये लागत उपयुक्त और उच्च गुणवत्ता वाली सिविल संरचनाओं, इमारतों संयंत्र और मशीनरी के साथ की गई है । परियोजना की कुल लागत लगभग 36 करोड रूप्ये होने का अनुमान है । कुल परियोजना में कार्य लागत सहित लगभग 70-75 करोड है जिसमें भूमि और अन्य विनियामक लागत शामिल है । परियोजना की ईएमपी लागत 3.2 करोड रूप्ये आवर्ती राशि 32 लाख रूपये पतिवर्ष होने का अनुमान है । सीएसआर बजट भारत सरकार/कंपनी अधिनियम 2013 द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार आबंटित किया जायेगा ।